

वितंकृत्वापस्याभिनिषनेत्सगर्भदूषेनभ्रमति ॐ ह्रीं हृदयस्वाहा ईड्वारु
 णीचगंडुमल्ललारसेनभर्यो लिखित्वा वामपादेनाक्रम्य घृते प्रक्षालितो भवे
 त् सौंदिः=हीग ॥ अरंडरससौं सौं निटिकिपाकरे मासा १ घीवसोतलेटिकि
 पापेकषायवापजायभसहोयवहुतगुणकरे १ लहसुनइकपोतिपाः=सहतः=
 दोनोकूपरलकरिकोरिकुलिपामोकरिमुखमंदिधुरेमोगाडैदिन २१ पी
 छेआलिपांनसौंरती १ पाईवाईजायभसहोयकासस्वासकोतहदमीवोरै
 हनसर्वउदररोगजायमसापमुषउपरलाली वहुतफाइदाशह २ ववृल
 कागोंदः=पापरिपाकथाः=पांडुशनीः=तीनोकोंमिलाएफंकीपैसा १ क
 रे वासीपानीसाथिकरे अस्त्रीकाधातयमे औवरेजीदूरिहोएदिन ४ दिवा

पतो विकर होय ३॥ धा ३ के फूलऽ = धनियाऽ = दोनो की पुरी ३ करे ग्राह सरोई की
२ ॥ रहे तव मिश्री पेसा ६ भरि मिलाय पीवे तव स्त्री की धातयं मेः ॥ ८॥ औ वकि गुठली
कि समिसि दास दोनो कूवरा वर करि गोली पेसा ॥ भरि कियाय गरमी का मान्या
दाह पित्त भडके कों छुटि कों एते रोग जाहि ५ आक का दूध पेसा ६ भरि मौलो
टका साजी २५ घर लक करे जव सुषेत वपी पलि ॥ १२॥ लौ न सेंधा ॥ २॥ मिलाय घर
ल करे मासा ॥ लौ न मेषाय कफ पांसी गला जटा होय सो भला होय ॥ ६॥ मनसि
लटंक ॥ विषटं ॥ मिलावाटं ॥ साजी टं ॥ मीठा ते लु ॥ मिलाय लगवै कोठ चं
गा होय ७॥ दारि हल दिगिलोय विफला दास चं वेही के पात जवां सा सक को ज
व को व करे अष्टावसेष का ठा करे त्व सहत दम डी भरि ६ ॥ जालि कुरला करे

मूत्ररोग जाय ८ इंडाएनकेपातकारसिलालकनैरकीलकडीसो
परलकैरेजवगाढाहोसतवलेपकैरेस्त्रीडेवे ९ तिलकारेसंधालोनहो
नोंकूवाटिपीडिदांतकैदेयदांतहालतेरहे १० गोलेकबूतरकीवीठिपानीमें
डालिज्योटावेपिछैअपरकासातलेपवावलभरिषानेकूंदेयपानमें पयरी
जायदिन १६ सवावे १ पीछैडुर्वलहोयतवमल्लीकेबीजमटकेटैपाकेविज १२॥
दुधसेर ११ सोंधवावेमोटाहोयवलवद्विहोय पयरीजाय ११ टैटसकेबीजरो
टिपिवावेपयरीमूत्रकुछुजायज्योरभषलगेतवटैटसहीषापतोभलाहोय
१२ पापरिपाकयपीयावांसाहलदीपीपललोदनीलायोयाभंन्यामिश्री
भिलावाभिलावेकूंकुल्लरीमोतलेउपरिनोंनदेयकुंकेपीछैकाटिपीसेस

३

वज्रोषदिमिलायकयच्छानकरेदांतमसलैमुहनिचाकरेविसरुपरपरेतवष
नचवाइदांतोअरिउगालकीपीडीवाथैसोफहे दांतकीपीडनासेहंतउटिहो
य सोधोपाशेदूनौगंधकंजमोदविफलासाजीजवाषारचीतासोंधालौन
जीरासोचरवाइविडंगसमुद्रलो नविकुटावकापनकेफलजंभीरीकेरससो
मर्दनकरिमिरचाप्रमानगोलीवांथै गोली १ पाप २४ अतः होय १२ क
सोन्दीकीजरपीपावासेकेरुल्लकेतकरकीजरमकोइभांगरेकोरसविफला
कोरसमीठातेलएतीन्योत्तोहेकेवासनसैंपकायट्टीमेंगाडेमासा १ पीछेल
गावैकेसकासउत्पहोहिभवउत्पहोहि १५ तिलकारेकींसोडडकेदूध
केएट ७ देयतेनपीलायलगावैवारसपेहोहिसांसस्यो १६ नीलकंठी

सर्वसमान
४

मासा ४ पाराका ३ म मासा । नीलकंठी सराई मोक रिकोय लेकी अंच सों फूँकि
दैषी लसवद आध चावल पुराक कूवत भूष होय ॥ रुदौं ती कोर समसि मों क
रिकोय लों ऊपरि धरे जवर ससुषेत वरांग धरे पंघ लेत वरुदौ ती कार सदे पयला
पवार ती निपयला निचो रे कल इका पानी जजव सह १८ रांग २५ पारा १२॥
दौ नों कूंगिर रुदेत वगूदर ॥ की गेंद सी लपेटि वना वेवास नमों यपि ऊपरि अ
गार एक धरे चारि पहराति मोसिल गिजव होय वंग सिद्धि भवतु रती ॥ पान मो
षाय रो ज ७ भूषति गुनी कुवति साह १९ इंडा पाण के फल पाके ला मे पाचौ लों न भरे
ता को माटी को प्रलेप करे सुषाय गज पुट दै सीतल होय तब काटिए औषधि मिला
वे विफला त्रिकुटा चवचीता मूठ मिलाय चूर्ण करे टंक ॥ पाय भूषव रुत होय २०

कसेलाटेक ३ धीवसां डमै दामिला पषाय दिन ३ जव स्त्री धर्म होयत वषाय गर्भ रहे
 २१ नाग के सरटेक ५ हलुवा मै मिला पषाय पुरुष नित्य मोटा होय कृवत शय २२
 मेंटा दूधी की जर गड्ढा की जर दो नौ को वां टि पानी सो लगावे या वै भला होय स
 त्यं २३ रसवति वकरी दुध हाथी का दांत जला इराय करे पुट दे वार न के लगाने
 उदरी का उषा वा वार उपजे २४ चंवेली के फूल कडुवे तेल में पचाइ पी छे भगले
 पन करे स्त्री पुरुष रमे सो मोहित होय २५ मंत्र छ्वा गजला पृष्ठा वां नरी मल ले
 पितं नर सान पतये वसाधनं सु रते सुगे २६ सित गिरिकर्णिका मलं कृत्वा विज
 ली नषा स्थितं उक्तं सूत्रे कटि वधा वीर्य सानि रोधनं कृते २७ विफला पिप्पली च
 एमिधुना ली टमा सु वै श्लेष्म रं न हा स्वा स सोष पीन सना शनं २८ उपपामा

गस्यपत्राणि सं पुटे घृत पीडनात् वा सुधाते रसो दत्तो गल इत्त निवारयेत् २६
कटाई वंदारिकी जर पानी सो वाटि ना सु दी जै पीन स जाय ३० जुरेंड का तेल गो म
बडालि पी वै रां घनि जाय ३१ लोह कटा वै तौ रें घन वाव जाय ३२ सांटी देव दारु सौं
ठि सर सौ सुहि जने की जर सव वरो वरि क रिकां जी सौ घ सिले पले पक रै सर्व सोय
सो जी जाय ३३ धूम्र पान का स सास कौ सु पेद वस्त्र कौ पुट दै छ ह व ल के एक
एक के तीनि तीनि पुट दै गो मूत्र सौ ह र दी पुट ३ व कायन के रस की पुट ३ मन सि
ल के पुट ३ गो मूत्र सौं ॥ ज्वा क के दूध की पुट ३ नीच के रस की पुट ३ भाग के रस की
पुट ३ तव छाह स पावे तव कतरि कै चिले मेय रिधे देह का मे पानी न भरे त मा सू की
त रह पीवे स्वास का स जाय निः संदेह ३४ ह र दी सेर ॥ ज्वा क की जर सेर ॥ दूध गो

५

कासेर १० औटापचूर्णकी जै पञ्चातमि श्री समान्य चिलापे जै और सुगंधमिला
 वैभछनतुटंक २॥ प्रमेह पयरी शूल मूत्र विणगना शपति ३५ शोको मगजयी
 वसोतले मली के बीज टंक ३ कनक बीज टंक २० प्रफी मटंक २॥ प्रफी मवितले श्री
 वछानिले लिंग चुपरे अपरिपान तथा प्ररंडु के पात बाधै वहर ४ दिन १ तथा १८
 इंडी टटु जागर्त वलकै रे स्यंभन घड़ी ४ का होय तो घड़ी ५ ६ रहे ३६ सीसा मार
 एविधि अंबली की छालि अजवापनि दोनो को बरा बरि करि सीसे के पत्र करित
 ले अपरिदे चूर्ण तहवात ह अपरितले टाट दे उपलो मों फू कि दे आंच वहर ४
 की दे सीसा मरि सिद्धि भवतु तव घाय विदो यह रे संग्रहणी ववेसी गोला जाय और
 बृहत युनकै रे ३१ कनक बीज टंक २० कुचला टंक २० चिरमठी टंक २० आवली
 पा मा

सारगंधकटंक २ कुटिकरपरछानकरे जुधी जुधी दूधगापकातयभौतिकासेर २५
ओटावे पहले कनवीज पकावे पाछे कने रगंधक पकावे सब पाछे डारि ओटावे औ
चवे रकील कडीकी तीसरे परहरताई देयत वदही जमावे दही जमे नही तो सेर २
दूध ओटावे मलावे जमे तब मयि घी वकाटे घी वरती १ घायरती १ लेप करे ते जीव
अजशष्ट ३१ पला संके वीज पीसि मिश्री घृत मधुसौ पीवे तो गर्भ न रहे ३८ अथवा
योनि मध्य घाले तो गर्भ न रहे ३८ कलई २५ पात्र १२॥ दोनो कूगिर रुदे पपी छे
गुदर सेर १ मों गेंद सी लपेटि वास भं मे धरे उपरि संगार १ धरे बार वहराति मे
वंश सिद्धि भवतु प्रात उटि एक रती घाय दिन १० सूरनी तीनी होय गुण होय ३९
जोक काठ १ आधी मरु ओर कीली जै मन सिल कने रीरती २ दूमी मरुंगीर

ती २ मिलाय २ गरिले पकी जै ॥ फेरि दूसरे दिन जो ककाटि पिछाली जै मनसिल
 मसंगी डालि रगडिले पकी जै ॥ ती जै दिन जो ककाटि आगा ली जै मनसिल म
 संगी डालि ले पकी जै तौ इंडी दिन तीन मो वधै दिन ३ ताई सो होवत न करै फेरि
 करै इंडी वधै मोटी से वभी नाने अकवर कौं ले पकी पा सो है वहत काइटा सबद
 ४० मुरगी का अंडा फोरल रिसु पेदी काटि जर दी रये ३ समै ही गचोषी चने व
 रावरि डालि मुष मुंदि आटि सों मिटिल पेटी आग मै पकावै घाने कौ देय वंधे ज
 श ६ ३ ता रलौं न सात दिन ताई इस तरह करै तौ ३ मारि भर कौ ते जी वंधे ज होय
 ४१ पाषाण भेद कूटि कर कपर घान करै दां म ६ मरि ह्य मा सों पी वै दिन ७ ते जी
 वंधे ज श ६ ४२ आवले हरे नी बूर सग दी के रस में डालि ये क विल रुत रस अपर

चैतवममंदिजमीनमोंगाडैदिन६० पीछे ३ बारि आंवरोपेकषापगुठलाडाग्देय
कूवतिहोयकायाकल्यहोयबूढाजवानहोयवालस्याहहोयइजोंगलीदूरिहोयव
हुतफाइदाशाह ४२ गुलरकेपातकामसा १२॥ लोंग ५ दहीगायकापैसा १ रोज
षापइसतरहदिन १ करै संगनीजाय ४३ कोंचकीमीमी १ हथभैसिका १ दोनोहां
डीमोंग्दिटाककीलकरीसेर १॥ कीटीपकआंवदेयपकावेअधेलाभरिकीगो
लीनित्यषापवहुतचलैहोरेनहीकूवतिशाह ४४ सोंठिसतुवा १ मसलीका
ली १ = आसगंध १ = घीव १॥ = पीपरि १२ अकमकरा १२ चिरोजीपैसा २ घीवमोभ
निकरिगुडमेपातिकरिगोलीवांथैपैसा १ भरिकीषापकूवतिहोयवायजायघोटेन
डुःखेकोसेसहोयजोषापतास्त्रीकोपेटमेवहुतफाइदाशाह ४५ औषधीवसेसी

की मिरच अजवाइन जीरा धनिया चारों कों वरावरिक रेंदा के रस की पुट ७ दे पी
छे सुया एक क रेंदा के रस सों वरे वरावरि गोली बांधे गोली १ पाइ ववे सी जाय पुरुष
वा द जाय ४६ पी प रि टंक १० ३ द र १ की हा सि टंक २० जव कों रात टंक २० पां ड टंक ५
धी व टंक १०० एक व करि पी डी बांधे टंक २० की पाय निरुधा तु होय तौ धा तु वंत होय प्रमे
यत मुस कानि मुस का इ क्रोय उटि होय व हुत फा इ हा होय ४० लेप दा ल नी नी २५
लौंग २५ समुद्र फल १ कौ बुरा १ वीरु हटी १ चंवे ली की जड १ सभा ल की जर १
घुघची सुपेद १ नक छी क की १ अर्क क र १ मिडग १ सांडा १ सब को कूटि सभा ल के र
स सौ सानि सी सी मां मौ भरे चिकाई अर्क कांटे पाता लयं व करि पेट्टी में लगे व के
यो ही लगावे उपरि सान बांधे जे ३ पांच तया ७ जे जीरा ४६ आगा पीछा डुर स्तर मो

टा लंवा होय ४८ अंजीर का सेंबल के वचे का मूसला । कौच की मीगी । सब
कौकूटिक परछान करे शोके रूध सों ग्रथे ला ॥ भरि पुमा क पुष्टि कुवति साह ४९
पुल्लन रग सा गंठा । उस की वम वरि दाल चिनी रूध भेड का ॥ सब कौमला प
रगडा करे जव गाडा होय रु रवे रवम वरि बांधे गोली आधी भेड के रूध सों घसिले
पकरे रो ज रुंधे ज राह और बहुत वरु का ठुंठा होय तो आधी गोली पाय
आधी ले पकरे तेजी भला मा पुन पाय ५० बदा म पेसा । पिस्ता । न्यो जा
। अषरोटा । घुहारे । जाय फल । सिंघाडे । घुमानी । सोपर । माय को
रूध । मिश्री ॥ सब कौं कूटि रूध से र ॥ ले मेवा पेसा । ले पी रूंधे मिश्री पेसा
रमिला प पाय धातु उटि होय कूवति ५१ मधुना फल वीजानि पिष्टाना भिप्रलेप

पेत् तावत्तिष्ठति सो लेपो तावद्दीर्घं न मुच्यते ५२ मधुना लेपयेत्तिंगं मर्दनं नित्यमेव
 तु स्पृक्ष्यं भवति दीर्घं च वनितानां वशीकरं ५३ संधा विरंग हर रं कौकुची सर सौं हर
 दकन जाकी सांगी गाय के दुग्ध सौ लेप करे स्वेत दाग जाहि ५४ सुवल्लघार
 तेल मिठा पेसा २ भरि मोमिलाय प्रोटा वै लगाने विभूति जाय ५५ वकायन के फ
 ल टंक ३ गाय के दूध सौ प्यावे दिन ३ रें धनि वाव जाय ५६ घोडे का मुं व कटाई के र
 स मों डालि प्रोटा वै जव गा ह्य होष तव लगाने दाद जाहि ५७ केला १ छीली करि
 गोंद टाक को मासा ॥ पीसि करि केला गोंद भरि रोज ३ साय विंदुक साद जाय ५८
 सिल मिली १ गुड पुमाना दोनो कूंकूटि गोली कर के वरावर बांधै दोनो वेर वा
 पतौ कमरि वाव जाय ५९ केसरि कसरी जाय फल मघपी पलि सब कौं वाटिना

नही ससा कालोही में जीरे वरावर गोली पके सरिके पानी से घसिले पकड़े दिन
३ पंच सात घड़ी रहले जीरो जन मे धरे पीछे भोग करे ते जीवे सुजे राह ६
लहसन पेसा २५ नेचणे ६ कंचेल तेल २ सब कौंकूटि गोली १ करे दिन २१
घाय गटि वाव जाय पच चने की रोटी ६ माई दो मो मो चरस माज्ज फल सों
टिअज वाय निपी पला मूग उघी वटा क कौ गूंट गोली पेसा १ घाय धातु बंध
बते जी राह ६२ सबर की चरबी मूली के बीज गाजर बीज को चरबी में जो
सदेय सिंगरफ डालि घरल करे ठंठा चंगा होय ६३ नारेली को तेल सिंग
रफ सिंदूर इन काले पकड़े ते जी मोटा राह ६४ कवल के पात कूटि सेंधा
लौन मिलावे वारि राष करे और सब वस्तु पी सिवड़ी कटे रुली के रस सों गो
ली बांधें मै सिके गो वरि सों इंद्री मर्दिन करि लेप करि सपष्ट होय ६५ कु

६ शमोनिजुमीवलसर्करपा पयमिश्रपिबंतिपिबंतिजना वलवर्धनमोहवि
नाशकयाडवंतिसमानिनचित्रहर ६६ गेंहूः १॥ भांगचोषीः १॥ पोसतनारनेली
१= भांगकूंभनिसीलीकरेपोसतमिलाएहांडीमाहिभिजोवैवोसमैरांघेपी
छुउसजानीमैगीहुभिजोवैजवभीजैतवछाहसुषापभुनावेपीछेपिसायस
तकरैपेसा १ सतवातामैपेसा २ वतलिमेंघोरिपीवेदिन १ विंदुकुसादजाय
६७ कवललगदाकीकरीमीगी २॥ मिरच १ धूक १ सौवाटिटुग्रीकैलगोवे
बंधेजहोएटुडीधोवेत्वषलासहोए ६८ सौंठि १ इंडायनकीजडदोनौवाटि
अपनेपेसावेमोगरमकरैचंदनसीलगावेमासकोरलोलीहरिहोए ६९
नकछीकनीआदादोनौकुछाहसुषायवरावरकरिकूटिकारीवकरीके
हथसोगोली मृगवरावरावांधैगोली १ पाएउपरसौंटीयोवसंकरसितावषा

षापभ्रषलागे १० समुद्र सोषकूटिकपरछानकरे इंडी कैमसलिभोगकरे
स्त्रीकैसंकोचनहोए ११ ब्रह्मदेडिऊं टकटेलावीजबंधेवषवनोसाकूटिसह
तमो गोलीवांधेपैसा १२ विविंदुकसादजापतेजीशए १२ सोंटिसतुवाः॥
मिश्रीः १३ वगाएकाः गरमकरगोली १४ की संध्यासवेरेभ्रषहुसनश
ए १३ सोंटिषारिकछुछरादानोंदौनौकूकूटिकरदरीसी १४ इरोजभ्रष
होए १४ देवतचीनोरसवतिदोनौकुवरावराकरिकूटिकपरछानकरे
मासारकीपुरीचावरकेधोवनसोंदेएघूनीववेसीनासेलोहोपरेतायंमै
रोज १५ तथा २ तथा ३ दिनदेएलोहीएकवारिगिरिपरेचंगाहोए १५ नारियर
कीनरेसीमंदिहांडीमेंजुलावेजोधंवाननिसे १६ कपीछुपीसिटंक १७ एणे
कूवासीपानीसोंदेएववेमीजाए १६ सालिवमिश्री १७ कालीमसली॥

१
दोनो कूटिक परछान करे पुरी ३ पुरी १ लेप मिश्री १ कूटिक गुरे मे डालि जो
सदे प जे वषट् वदायत वपुरी डालि पीवै धातुयं मे कुवति श २ ॥ रुई मासा ६
अंजीर के रूध मे भिजो वै वटती नि करे रो ज फोहा १ गाए के रूध मे गरम करि को
हा भिजो ए पीवै थो र दिन ३ तौ विंदुक सा द जाय १८ वधक ए न के फल ॥ मित्र
च २ दोनो कूटिक परछान करे दाम ६ रो ज फा के वा सी पानी सों छनी ववे
सी जाय १९ वडका गूंद कूटिके परछान करे दम डी एक भरि वा सी पानी सों
फा के स्त्री धातुयं मे पय दध भात ८० मसली काली क परछान करे मा
सा ६ पुरी चांवर के धोवन सों पाय चांवर वैसा १ धो वै धोवन सों पुरी पाय चां
वर ऊपर ते चावाय स्त्री उरुष की धातुयं मे ८१ पीरे के बीज १ कोरी कुलिया
मे भिजो वै सवे रै थो टिपी वै चीन गीण पर मे व जाय ८२ मुंठी १ सोंठि १ दोनो कू

ठिक यकरपुरी ॥ भरकी पानी सो वाप धातु बंध होय ॥ जाफल ॥ सुंडी ॥ दोनों
की पुरी ॥ करे पुरी ॥ दूध सो वाप ते जी बंधे ज होय ॥ दूब डंडा ली के डा कल पे
सा ६ भरि लैय पेसा २ भर घोट पिवावै उपरि ३ पुरी चाद रि उठावै घरी २ पीछे पसे
वमों चाद रि भी जिजायत व पेसा २ डा कल योटि पीवै काली जीरी दमडी ॥ भरि डा
लि पीवै ३ उपरि चाद रि दू सरी उठावै जव पसे वमों भी जिजायत व दूरि करे फेरि डा
कल पेसा २ भरि मित्र च दमडी ॥ भरि घोट पिवावै चाद रि ती सरी फेरि उठावै
जव पसे वमों भी जिजायत व दूरि करे फेरि सारे पानी सो नहाय वाव पहर ॥
मे चंगी होय स्त्री सेवन परहे ज दिन ३ करे भला होय ॥ सुनारी वेर जा ॥
दूमी नरुगी ॥ पाषाण भेद ॥ छुहारा ॥ कौच के बीज ॥ मोर सरी ॥ लहसोरे ॥ हर

रकीछालि।सौंहि।छोटिलायची।वंसलोचन।मिलाजीतकौसत।पुस ३
 सालिव।सबकीबराबरिमिश्रीमिलाएपकेपैसाभरकीफकीगोकेरूधपानी
 सौमिलापचापचिनंगीपापरमेवजाएगुंयकप्रमेहजायधातुबंधकवतिशब्द
 ८५ गोपुरुमकरकेवीजसतावारिकीजरषीरहटीकौंचकेवीजगंडेरनिकी
 छालिसबकौंचीसचूरनकरिषांडहूधसौपीवैद्योरिदूटोरमैशुंदरीकोरिसं
 धासमपेसवेरौषायधातुपुष्टकवतिशब्द ८६ सुपेदकनेरकीजरहूधमौघालि
 प्रोटावैदैहीजमावैकेरिषयमाघनलैहरतालमिल्याएहायपावलगावैवं
 धेजहोएषालीमाघनपायपानकीसायसीकरिजेजी ८७ भिलावे।
 पुरासानीअजवाएन।सांठीकीजर।पारोमासा ५सबकोरगडाकरैफेरिगु

उपुनो एक । मिलाय गोली । बांधे गोली । बाप अपरुपाचार के ग्रां व दोष
बाप बाव जाय परहेजन करे चंगा होय ८८ ववूर की पाती टंक ५ कनजा के पा
तटं २ ॥ मिरच टं ॥ दोनो कों वाटि मिरच डालि पीधे परहेजर है बाव जाय ८९
आक की जर सेर ३ गोडूं सेर ॥ जड जव को व करि वासन मो कं रे पी छे गी हुंडाले
करुवे ३ पानी डाले पी टावे जव पानी सुधेत वगे हुं काटि छाह स बावे के रिभु
नाय बाव जाय घटाव लोया परहेज सम सत्ता वाये नासे ९० मोचर स माई सो
फ सों टि शाला वेलि की गरी धाई के फूल मिश्री मिलाय ॥ भरिषाय मो डेरा
हि ९१ वयाई शानमजीठ ३ दोनो कूटिक पर छान करे पीव ॥ भांड ॥ सब
कों मिलाय गीली पैसा । भर की बाप पुष्टि सकाम ९२ पात मरी के वमारि

तिलकारेमिलापपापतापनलीजायकुटकीपापजहरसोजजाय ६३ मिरच
 "हुलहुलकेबीज १ कमेंदा २ मिरचाविलापसरलकरैपीछेककमेंदामिला
 पजवसूवमिलेतबगोलीचनाप्रमानबांधेगोलीपापववेसीछहनरहकी
 जाय ६४ रलज्योटिकीजरकीबूकेरससोंआंजेतिलमरजाय ६५ बबूलकी
 फूलडा ॥ बबूलकीफली ॥ = बबूलेकागोट ॥ = बबूलकीछाल ॥ = बबूरकीकों
 परसबकोंछाहसुपायकपरछानकरैमिश्रीमिलापपापअयेला ॥ मरि
 धातुबंधुवीस २० प्रमेयजाय ६६ नीलायोथाटक ॥ कसीसटक १ फटकरीट
 करचनासीपकाटे ४ सरसोंतेलाटे १५ बांदिप्रौषदिमिलापप्रौठावेजबप्रौ
 षदवैदिजायतवछानिलेलागावेइंडीफेरहुलहोय ६७ पारोये १ सिंगरफ